

श्री रामेश्वर नन्ध : मैंने यह कहा है कि ट्यूबवेल लगाने के लिये बिजली बालों के पास जाकर कृषक को बँडे हुए वर्षों हो गये। जब हम उन से कहते हैं तो कहते हैं कि हमारे पास पावर नहीं है, हमारे पास ट्रांसफार्मर नहीं है। जब वर्षा नहीं हुई तो वह करे क्या। मैं पूछना हूँ कि वे करेंगे भी क्या।

Shri Shivananjappa: On a point of order, Sir. This question presupposes that the government have already taken a decision to locate the fifth steel plant at Vishakapatnam. The question in its present form is not at all admissible.

Mr. Speaker: That is for the minister to say.

पांचवाँ इस्पात कारखाना

+

- * 186. श्री मधु लिमये :
 श्री बागड़ी :
 श्री बासप्पा :
 श्री रामसेवक यादव :
 श्री विश्वनाथ पाण्डेय :
 श्री प्र० चं० बरकडा :
 श्री यशपाल सिंह :
 श्री पाराशर :
 श्री राम सहाय पाण्डेय :
 श्री राजेश्वर पटेल :
 डा० चन्द्रभान सिंह :
 श्री चांडक :
 श्री श्रींकार लाल बेरवा :
 श्री बृजराज सिंह :
 श्री गोकुल प्रसाद :
 श्री हुकम चन्द कछवाय :
 श्री हेडा :
 श्री वाडीबा :
 श्री टे० सुब्रह्मण्यम :
 श्री उबा० प्र० ज्योतिषी :
 श्रीमती मिनिमाता :

श्री गोकुलानन्द महर्ला :

श्री बाजी :

श्री बीनेन भट्टाचार्य :

श्री बडे :

श्री प्र० सि० सहगल :

श्री शिववत्त उपाध्याय :

श्री उ० मू० त्रिवेदी :

क्या इस्पात श्रीर लान मंत्री यह बताते की कृपा करेंगे कि :

(क) विशाखापत्तनम में भारत का पांचवाँ इस्पात कारखाना स्थापित करने के बारे में क्या प्रगति हुई है;

(ख) कार्य कब तक आरम्भ हो जाने की संभावना है; और

(ग) उस पर कुल कितना व्यय होने की संभावना है और इसमें अपेक्षित विदेशी वित्तिय तथा तकनीकी सहयोग का व्यय क्या है ?

The Deputy Minister in the Ministry of Steel and Mines (Shri P. C. Sethi): (a) to (c): The recommendations of the British American Steelworks for India Consortium (BASIC) with regard to the location of the fifth Steel Plant are still under consideration of the Government. Foreign financial and technical collaboration details etc. would be considered after a decision on the site location has been taken.

श्री मधु लिमये : भारत और पाकिस्तान के साथ जो लड़ाई हुई उस के बाद पश्चिमी राष्ट्रों ने हम को जो आर्थिक सहायता देने का वादा किया था उस को बन्द कर के उन्होंने हम को एक ऐसी स्थिति में डाला जिस से हमारी स्वतन्त्रता, सुरक्षा तथा वैदेशिक नीति को खतरा पहुंचा है। इसलिये मैं जानना चाहता हूँ कि पांचवाँ इस्पात कारखाना बनाने समय क्या सरकार इस बात पर जोर देगी कि यह कारखाना हम आत्म निर्भरता के आधार पर

बनायें ताकि हम को विदेशों की सहायता पर निर्भर न रहना पड़े ।

The Minister of Steel and Mines (Shri Sanjiva Reddy): That question is very much actively before the ministry. We have been considering if a larger percentage of components can be produced in India. But that question would arise only after a decision is taken about the location. That is before the Cabinet. I am afraid it will take a month or two more before we can come to final conclusions about this.

Shri Ranga: The Cabinet has gone to sleep like a sleeping beauty?

श्री मधुलिमये : अगर जगह के बारे में कोई फैसला नहीं लिया गया है तो क्या सरकार का ध्यान इस मुद्दाव की ओर गया है कि अगर हमारा पांचवाँ इस्पात का कारखाना बिहार या उड़ीसा के क्षेत्र में बनाया जायेगा तो चूँकि कोयला और लोहा वगैरह नजदीक में ही मिलना है इस वास्ते खर्च कम रहेगा, और प्राज की स्थिति में जो पैसा बचाना निहायत जरूरी है वह बचेगा ?

Shri Sanjiva Reddy: There are already five steel plants existing in the coal belt—TISCO, IISCO, Durgapur and Bokaro which is coming now and also the Durgapur Alloy Steel Plant. Government will have to take a decision whether all the steel plants will be located in one area. Already a decision has been taken by locating one steel plant in Bhilai, which is away from the coal belt and it is already functioning. So, it is a policy decision.

श्री मधु लिमये : मैं विकेन्द्रीकरण के सिद्धान्त से सहमत नहीं हूँ, लेकिन चूँकि प्राज संकटकालीन स्थिति में पैसा बचाने की बड़ी आवश्यकता है इस वास्ते मैं यह बात उठा रहा हूँ ।

Shri Sanjiva Reddy: I have answered that.

Shri Basappa: Since the export possibility of steel from Vizag is not there

in the near future, as the internal demand is more and also the capital cost including the development of the port in Vishakapatnam will be much more than what the Anglo-American consortium has stated, the Planning Commission has come to the conclusion that it should be somewhere else, other than Vishakapatnam. May I know whether the government will give its quick decision to avoid the controversy and concern of the whole of India in this matter?

Shri Sanjiva Reddy: Not only Vishakapatnam, but the Planning Commission considers any place outside the coal belt area unsuitable. My friend will be disappointed to know that Hospet is much farther away than Vishakapatnam.

श्री रामसेवक यादव : प्रथी एक कारखाने के स्थान के बारे में निर्णय नहीं हुआ है इसलिये मैं जानना चाहूँगा कि चूँकि बैलाहिला में इस कारखाने के लिये कच्चा लोहा मिल सकता है और मध्य प्रदेश एक पिछड़ा राज्य है साथ ही प्राज जैसी युद्ध की स्थिति चल रही है उस में विशाखापटनम एक प्रसुरक्षित क्षेत्र है, इन चीजों को ध्यान में रखते हुए क्या यह कारखाना मध्य प्रदेश में बैलाहिला के पास स्थापित किया जायेगा । हाँ अगर मंत्री महोदय को किसी खिलौने की जरूरत है तो वह उसे विशाखापटनम में स्थापित कर सकते हैं ।

इस्पात और खान मंत्रालय में उपमंत्री (श्री प्र० चं० सेठी) : अध्यक्ष महोदय, जहाँ तक इस पर निर्णय का सवाल है, मैं समझता हूँ कि तमाम बातों पर विचार करने के बाद कैबिनेट कोई निर्णय करेगी ।

श्री विश्वनाथ पाण्डेय : मैं जानना चाहता हूँ कि जो कारखाना स्थापित होगा उस के सम्बन्ध में एक स्थान के बारे में विचार हो रहा है या कई स्थानों के सम्बन्ध में विचार हो रहा है जिस के कारण इस निर्णय में देर हो रही है ।

श्री प्र० चं० सेठी : जहां तक स्थान के चयन का सवाल है यह चीज कैबिनेट के सामने है और अमेरिकन कैम्पेनियम की रिपोर्ट भी हमारे सामने है। कैबिनेट सब बातों को ध्यान में रख कर निर्णय करेगी।

Shri P. C. Borooah: What is the capital structure of this project suggested by the U.K.-U.S.A. Consortium and how far is it acceptable to the Government?

Shri Sanjiva Reddy: That question does not arise at this stage.

श्री यज्ञपाल सिंह : क्या सरकार ने यह सोचा है कि उत्तर प्रदेश में अभी तक कोई इस तरह का कारखाना स्थापित नहीं हुआ है, और यह भी प्रच्छा नहीं लगता कि एक ही प्रदेश में प्रायः सब कारखाने स्थापित कर दें। क्या सरकार ने इस पर गौर किया है कि उत्तर प्रदेश इसके लिए सब से अच्छी जगह है ?

श्री प्र० चं० सेठी : इस वक्त उत्तर प्रदेश बिचाराधीन नहीं है।

श्री हुक्म चन्द कछवाय यह मंत्री महोदय को मालूम होगा कि मध्य प्रदेश में बैलाडीला के निकट जमीन एकवार को गयी थीलाख रुपया खर्च करके एक बहुत बड़ी इमारत बनायी गयी है। अब सरकार वहां यह कारखाना स्थापित करने की बात क्यों नहीं सोच रही, क्या प्रयत्न है ? इस बारे में वहां इतना रुपया पहले खर्च किया जा चुका है ?

श्री प्र० चं० सेठी : इस समय जो जमीन ली गयी है वह बैलाडीला धारन और प्रोजेक्ट के लिए ली गयी है।

12.00 hrs.

SHORT NOTICE QUESTION

सिख तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान जाने

की अनुमति न देना

+

S.N.Q. 2 श्री गुलशन :

श्री बूटा सिंह :

क्या बौद्धिक कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने इस वर्ष 1000 सिख तीर्थयात्रियों का ननकाना साहिब (पाकिस्तान) में गुरु नानक का जन्मोत्सव मनाने के लिए पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी है; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

The Minister of External Affairs (Shri Swaran Singh): (a) and (b). Request was received from the S.G.P.C. through the Punjab Government for permission for 1,000 Sikh pilgrims to go to Gurdwara Nankana Sahib in West Pakistan on the occasion of the birth anniversary of Shri Guru Nanak Devji on 9th November, 1965. This request included 300 persons distributed between five other parties. It was processed and forwarded to our High Commission in Karachi on the 3rd September, 1965.

On 6th September all communications between India and Pakistan were cut off and it was not possible to process the request further. In addition the Indo-Pak borders were closed and Indians in Pakistan were subject to internment. Travel between India and Pakistan having been stopped it was not possible that the party of pilgrims could proceed to Pakistan. Under these continuing conditions it was out of question for the pilgrimage to take place, and permission for the pilgrimage could thus not be given.

श्री गुलशन : पाकिस्तान सरकार ने अपनी अनुमति दे दी थी लेकिन हिन्दू सरकार ने सिखों को ननकाना साहिब की यात्रा करने से रोक लिया। क्या इस का यह कारण है कि